खराब अनाज से एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने की तैयारी

अपर मुख्य सचिव आबकारी को कार्ययोजना तैयार करने की दी गई जिम्मेदारी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार अखाद्य के रूप में बचे खराब अनाज से एथेनॉल उत्पादन की संभावना पर विचार कर रही है। इससे प्रदेश में औद्योगीकरण के लिए एक नए सेक्टर का विस्तार होगा और इसका बड़ा फायदा किसानों को भी होगा।

शासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति घोषित की है। इसके अंतर्गत जैव ईंधन के अंतर्गत एथेनॉल व बायोडीजल उत्पादन के लिए संभावित घरेलू कच्चे माल की पहचान की गई है। प्रदेश में इस सेक्टर में कार्य कर निवेश व रोजगार के अवसर तथा किसानों की आय बढ़ाने का बड़ा विकल्प है। शासन ने अपर मुख्य सचिव आबकारी तथा चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास संजय भूसरेड्डी को इससे संबंधित कार्ययोजना तैयार करने की जिम्मेदारी दी है। वह खाद्य प्रसंस्करण, कृषि विपणन, भारतीय खाद्य निगम आदि विभागों से चर्चा कर रोडमैप तैयार करेंगे। इस संबंध में एक बैठक हो चुकी है।

किसानों को सीधा फायदा : सरकार एथेनॉल उत्पादन को प्रोत्साहन देती है तो इसमें प्रयुक्त होने वाले कच्चे माल से किसानों को बड़ा फायदा होगा। एथेनॉल उत्पादन में बी. सीरा, गन्ने का रस, धान के रूप में बायोमास, धान का पुआल, कपास के डंठल, मकई के कोब, लकड़ी का बुरादा, खोई, चुकंदर, चारा, मकई, कसावा, सड़ा हुआ आलू, खराब गेहूं व चावल (जो खाने लायक नहीं है) आदि का उपयोग होता है।

निवेश व रोजगार के नए अवसर के साथ किसानों को होगा फायदा

एथेनॉल उत्पादन से अवसर

- केंद्र सरकार ने भारतीय खाद्य निगम से 2250 रुपये प्रति क्विंटल की दर से चावल खरीदकर एथेनॉल निर्माण की अनुमति दी है। निगम से खरीदे गए चावल से तैयार एथेनॉल की कीमत 54.87 लीटर तक की गई है। अन्न के माध्यम में यह दर 50.36 रुपये प्रति लीटर है। पूरी में चावल का अच्छा उत्पादन होता है। ऐसे में यहां इसका लाभ उठाया जा सकता है।
- प्रदेश में एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम के आलावा फार्मास्यूटिकल व अन्य इकाइयां विभिन्न प्रकार की औषधियों व केमिकल आदि के निर्माण के लिए विकृत एथेनॉल की मांग करती रहती हैं। ऐसे में अनाज (ग्रेन) से एथेनॉल निर्माण के साथ-साथ अन्य इकाइयों को ग्रेन ईथनाल (एक्सट्रा न्यूट्रल एल्कोहल) व विकृत ग्रेन ईथनाल आवंटित व उपलब्ध किए जाने की अनुमति देने पर भी विचार किया जा सकता है।

एथेनॉल ब्लेंडिंग में यूपी सबसे आगे

राष्ट्रीय स्तर पर दिसंबर 2019 से नवंबर 2020 के लिए एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम के अंतर्गत 194.29 करोड़ लीटर एथेनॉल आपूर्ति की संविदा डिस्टिलरीयों ने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के साथ की। इसमें यूपी की डिस्टिलरीयों ने 105.69 करोड़ लीटर एथेनॉल आपूर्ति की संविदा की है। यह पूरे देश में संविदा का 54.40 प्रतिशत है। वहीं, यूपी में पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग के लक्ष्य के सापेक्ष 9.6 प्रतिशत ब्लेंडिंग की जा रही है। यह भी पूरे देश में अधिकतम है।